

Shiv Ek Hai | by Sunayana thakur

शिव मुझमें है शिव तुम में है
शिव अनेक में शिव एक है

हर कण कण का मन है शिव से रौशन
बोल बम बम मिलेंगे शिव के दर्शन
बन जाऊं भस्म शिव मुझको ओढ़ ले
मिल जाए अगर शिव जीवन भी छोड़ दे
शिव राख में, शिव आग है
शिव अनेक में शिव एक है

शिव ही में धरती शिव ही में गगन समाये
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय
शिव ही दिन, शिव ही रात सजाये
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय
शिव ही से मुक्ति, शिव ही से जीवन पाए
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय
शिव ही गंगा, शिव ही प्यास जगाये
ॐ नमः शिवाय, ॐ नमः शिवाय
शिव ही अमृत शिव ही विष पिलाये
शिव प्राण है, शिव काल है
ओमकार है, महाकाल है
शिव मुझ में है, शिवी तुम में है
शिव अनेक में, शिव एक है

<https://bhaktivandana.com/lyrics/shiv-ek-hai-by-sunayana-thakur/>